'डबल इंजन सरकार किसान-पशु पालकों के कल्याण के लिए कदम उठा रही है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अलवर दुग्ध संघ की प्रगति की प्रशंसा की

अलवर, 19 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अलवर में श्वेत क्रांति द्वितीय चरण एवं अलवर दुग्ध संघ दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने सिलिसेढ़ क्षेत्र से नलकूप व पाइपलाइन के माध्यम से अलवर शहर की पेयजल योजना संवर्द्धन कार्य (लगभग 23.27 करोड़) का शिलान्यास किया और अलवर डेयरी के नवीन उत्पाद मावा तथा 15 किलो के पैक में टोन्ड मिल्क से बना दही लॉन्च किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अलवर के गांवों ने 50 से अधिक साल पहले अलवर दुग्ध संघ के रूप में जो पौधा लगाया था, आज वह एक वटवृक्ष बन गया है। जब इस दुग्ध संघ की स्थापना हुई थी, तब यह 500 लीटर दूध का संकलन करता था, जो वर्तमान में रोजाना औसतन डेढ़ लाख लीटर हो गया है। साथ ही, यह संघ करीब 50 हजार लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करवा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अलवर में श्वेत क्रांति के द्वितीय चरण एवं अलवर दुग्ध संघ दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया और अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, राजस्थान को-ऑपरेटिव फैडरेशन लिमिटेड, नेशनल डेयरी डैवलपमेंट बोर्ड एवं राजीविका द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया।

- **मुख्यमंत्री ने अलवर में महाराणा प्रताप की मूर्ती का अनावरण, सिलीसढ़ पेयजल परियोजना का शिलान्यास तथा अलवर डेयरी के नये उत्पादों को लाँच किया।**
- **अलवर के कार्यक्रमों में केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राजस्थान के मंत्री जोराराम कुमावत, झाबर सिंह खर्रा, संजय शर्मा, जवाहर सिंह बेढम, भाजपा के स्थानीय नेता, प्रशासनिक अधिकारी आदि ने भाग लिया।**

उन्होंने ने कहा केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार किसान-पशुपालकों के कल्याण और डेयरी क्षेत्र के उत्थान के लिए निर्णायक कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, राजस्थान को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड एवं राजीविका की ओर से लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया तथा "बहरोड बनेगा बेहतर" पुस्तिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने मोती डूंगरी स्थित पार्क में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। लगभग 50 लाख रूपये की लागत से बनी यह प्रतिमा पंचधातु से निर्मित है। इस प्रतिमा की उंचाई साढ़े 12 फीट और वजन 2 हजार 200 किलोग्राम है। शर्मा ने यहां मौलश्री पौधे का रोपण भी किया। इस दौरान, सर्व समाज द्वारा मुख्यमंत्री शर्मा का साफा पहनाकर एवं राजपूत समाज द्वारा तलवार भेंट कर अभिनन्दन किया गया।

केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन, देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत, नगरीय विकास एवं स्वायत शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा, पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, कई पूर्व मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक, जिला प्रमुख, जिला अध्यक्ष के अलावा, संभागीय आयुक्त पूनम, पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज अजय पाल लांबा, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, पुलिस अधीक्षक संजीव नैन आदि अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

आगामी अगस्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केवल 2.5 प्रतिशत रह गया था। ऐसे में 50 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग को पार करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को उन लोगों का भी समर्थन प्राप्त करना होगा, जिन्होंने 2024 में उनके खिलाफ मतदान किया था।

यह रिपोर्ट, चार अन्य वेरिएबल्स (परिवर्तनीय तत्वों), जैसे सामाजिक समूह, आयु, वर्ग, लिंग और क्षेत्र पर भी आधारित होगी।

इंडिया पोलिटिकल परसैप्शन इंडेक्स के एल्गॉरिद्म 25 वर्षों के उस शोध पर आधारित हैं, जिनमें यह समझा गया कि किस प्रकार राजनीतिक निष्ठा व्यक्ति या दल के प्रदर्शन से भी अधिक प्रभावशाली कारक बन जाती है।

पोल फर्स्ट एक ऐसे ट्रैकर का वादा करता है, जो भारतीय राजनीति को उत्तरदायी बनाएगा, जैसे अमेरिका में 1937 से गैलप, ब्राज़ील में 1983 से डेटाफोल्हा, यूनाइटेड किंगडम में 1997 से पोलिटिकल मॉनिटर, जर्मनी में 1996 से ए.आर.डी. और फ्रांस में दिसंबर 1938 से आई.एफ.ओ.पी. कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार ने उन्हें पार्टी नेतृत्व से बिना पूछे सीधे आमंत्रित कर दिया था।

ममता बनर्जी ने तृणमूल के सदस्यों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने से रोक दिया और खुद को पूरे सर्वदलीय प्रयास से अलग कर लिया। यह उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने भी तब आपत्ति जताई थी जब भाजपा ने कांग्रेस सांसदों को सीधे आमंत्रित किया था, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का बहिष्कार नहीं किया।

संभावना है कि ममता इस बात से नाराज़ थीं कि सरकार ने उनकी पार्टी के लोगों को सीधे ही आमंत्रित कर लिया, उन्हें पूछा तक नहीं। ममता बनर्जी का अपनी पार्टी पर सख्त नियंत्रण है और उनकी मर्ज़ी के बिना पार्टी में पत्ता तक नहीं हिलता।

हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि इस पूरे मामले से खुद को अलग करने के पीछे राजनीतिक कारण हैं। वे मानते हैं कि ममता ने अपने मुस्लिम वोट बैंक के सामन आक्रामक रुख नहीं अपनाया, और इसी वजह से वे "ऑपरेशन सिंदूर" से खुद को अलग रखने की कोशि कर रही है।

यह कदम उनके मुस्लिम तुष्टीकरण करने के अन्य प्रयासों जैसा ही है। यह इसलिए और भी जरुरी हो गया है, क्योंकि कई अखिल भारतीय मुस्लिम पार्टियां 2026 के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में अपने उम्मीदवार उतारने की योजना बना रही हैं। ममता ने पहले से कुछ रणनीतिक कदम उठाए हैं, ताकि अगले साल के राज्य चुनावों की तैयारी की जा सके।

ममता बनर्जी का कहना है कि यह अधिकार पार्टी का होता है कि वह तय करे कि किसे प्रतिनिधिमंडलों में भेजा जाए। सरकार या कोई अन्य संस्था यह निर्णय नहीं ले सकती। सरकार द्वारा सीधे सदस्यों को आमंत्रित करना पार्टी के अधिकारों का उल्लंघन है।

हालांकि यह तर्क कुछ हद तक अतिरंजित लगता है, क्योंकि अन्य सभी दलों ने बिना किसी विवाद के सरकार के आमंत्रण को स्वीकार किया है। आखिरकार, यह मामला राष्ट्रीय महत्व का है और इसमें सभी सांसदों से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

गैर सरकारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को कुछ अभिभावकों ने डिवीज़नल कमेटी के समक्ष चुनौती दी। वहीं, डिवीज़नल कमेटी ने स्कूल फीस कमेटी के आदेश को गलत माना। याचिका में कहा गया कि फीस नियंत्रण अधिनियम की धारा दस में डिवीज़न कमेटी के आदेश को चुनौती देने के लिए रिवीज़न कमेटी के गठन का प्रावधान है, लेकिन राज्य सरकार ने बीते नौ साल से इस रिवीज़न कमेटी का गठन ही नहीं किया है, जबकि मई, 2024 में सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार ने अदालत में अंडरटेकिंग दी थी कि तीन सप्ताह में रिवीज़न कमेटी का गठन कर लिया जाएगा। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने दिनों शिक्षा सचिव से कमेटी गठन को लेकर शपथ पत्र पेश करने को कहा था।

कॉलेज शिक्षकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेडिकल शिक्षकों की रिटायरमैंट आयु पूर्व में ही साठ साल से बढ़ाकर 65 साल की जा चुकी है। इसके अलावा, यूपी, एमपी और गुजरात सहित देश के करीब डेढ दर्जन राज्यों में कॉलेज शिक्षकों की रिटायरमैंट उम्र 65 साल है। इसके बावजूद, प्रदेश में कॉलेज शिक्षकों की रिटायरमैंट उम्र साठ साल ही है।

याचिका में कहा गया कि मैडिकल शिक्षक और कॉलेज शिक्षकों का काम एक समान है। ऐसे में राज्य सरकार उसकी सेवानिवृत्ति आयु अलग-अलग रखकर भेदभाव नहीं कर सकती। इसलिए कॉलेज शिक्षकों की रिटायरमैंट उम्र भी 65 साल की जाए।

राहुल गाँधी ने जयराम रमेश को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और मनीष तिवारी को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया, जबकि ये नाम कांग्रेस की तरफ से नहीं भेजे गए थे।

कांग्रेस के एक धड़े का मानना है कि पार्टी को इस नाम लेने के खेल में नहीं पड़ना चाहिए था।, बल्कि यह जिम्मा सरकार पर छोड़ देना चाहिए था कि वह कांग्रेस सांसदों में से प्रतिनिधियों का चयन करे।

जयराम रमेश लगातार यह कह रहे हैं कि संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस से नाम मांगे थे। लेकिन रोचक बात यह है कि खुद रिजिजू ने इससे इनकार किया है कि उन्होंने ऐसा कोई अनुरोध किया था। पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के नेतृत्व में थरुर को निशाना बनाने की कोशिशें चल रही हैं, जिसका संबंध केरल की कांग्रेस राजनीति से जोड़ा जा रहा है। जयराम रमेश, जो खुद का पद बचाने की कोशिश कर रहे हैं, इसमें सहायता कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने दृढ़ शब्दों में स्पष्ट कर दिया है कि यह वक्त इस तरह की आंतरिक राजनीति का नहीं है। शशि थरुर और मनीष तिवारी दोनों ने यह साफ किया है कि यदि सरकार उन्हें आमंत्रित करती है, तो वे राष्ट्रीय हित में प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे।

रोचक बात यह है कि गुलाम नबी आज़ाद, जो अब कांग्रेस में नहीं हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर का एक विश्वसनीय चेहरा माने जाते हैं, उन्हें भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि जब कुछ समय पहले उन्हें दोबारा कांग्रेस में लाने की कोशिश हो रही थी, तो यही जयराम रमेश थे, जिन्होंने उस प्रयास को विफल कर दिया था। राहुल गांधी को अब अपनी कल्पनाओं से बाहर निकल कर पार्टी के नेताओं की चैकलिस्ट बनानी होगी और यह समझना होगा कि कौन किस किस्म की राजनीति कर रहा है।

रिलायंस ने एशिया का वर्ष 2025 का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुटाने में सक्षम है।

यह पूंजी निवेश भविष्य की दिशा में उठाया गया कदम है। यह मुकेश अंबानी की उस दृष्टि के अनुरुप है, जिसमें रिलांयस को ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर मॉड्यूल, एआई आधारित प्लेटफॉर्म और उन्नत निर्माण के क्षेत्र में विश्व में लीडर बनाना शामिल है। ये परियोजनाएं शुरुआत में बड़े निवेश की मांग करती हैं, लेकिन ये भविष्य में भारी रिटर्न और वैश्विक नेतृत्व की संभावना रखती हैं।

इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह सिंडिकेटेड ऋण कोई तात्कालिक जरुरत या केवल रीफाइनैंसिंग मात्र नहीं है, बल्कि यह रिलांयस की दीर्घकालिक परिवर्तन यात्रा के लिए एक रणनीतिक ईंधन है। यह दिखाता है कि कंपनी भारतीय सीमाओं से आगे जाकर अन्य उभरते क्षेत्रों में लीडर बनने का इरादा रखती है।

इस डील का समय भी विशेष महत्व रखता है। एशिया-प्रशांत (जापान को छोड़कर) क्षेत्र में 2025 में जी3 मुद्राओं (यूएसडी, इयूआर, जेपीवाई) में सिंडिकेटेड ऋण मात्रा केवल 29 बिलियन डॉलर रही है, जो 20 वर्षों में सबसे कम है। यह गिरावट सख्त मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और निवेशकों की सतर्कता के कारण आई है। कई एशियाई कंपनियों ने महंगे ऋण और जोखिम से बचने के लिए विदेशी उधारी को टाल दिया है या उसकी मात्रा घटाई है। फिर भी, भारतीय कंपनियां इस क्षेत्र में अपवाद साबित हुई हैं।

मई 2025 के मध्य तक, भारतीय कॉर्पोरेट्स ने 10.4 बिलियन डॉलर की विदेशी उधारी जुटाई है, जो क्षेत्र के कुल ऋण का एक-तिहाई से अधिक है। यह भारत की मजबूत आर्थिक नींव, स्थिर रुपया और देश के विकास पथ में वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है।

इस कुल ऋण का लगभग 28 प्रतिशत हिस्सा अकेले रिलायंस के पास है। इसकी मात्रा, संरचना और व्यापक बैंक भागीदारी न केवल रिलायंस की विश्वसनीयता को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि सतर्क वित्तीय माहौल में भी वैश्विक ऋणदाता हाई रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों में रुचि रखते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908